

नमो वत रु ग वा नात्मना श्रूयमानः आविपुष्टश्रुत्वा विवाकितं श्रुत्वा त्वं
 हामस्तुः सा च सर्व विनि यषत्सु देवमानो वोरु न ग धर्वश्च ला की रु ग व ती रु मि न म त्वः
 निन्द त्रि नि न ॥ ॥ श्रूय प्रहृषयान् मिता हृदयनाम धाव नि सु मा फ ॥ ॥ य ध
 मा वि ॥ ॥ ॐ ॥ ॥

महाविवरमसिञ्जुनदीनमसिखाहा ॥ ईं मावीविदवः मांगमययनयः मांगम
ययनाङ्कनूगीमालयया ॥ ५५ ॥ नयदनामालययदसिलरुयानांगमययवीन
रयायांगययः अमीरयामांगययइदकरयामालययनाङ्कनामांगययः सर्वः ॥ ५६ ॥
न्यायधिसकयुत्यकमिशानांमांगययः आकूलसमांगययः अनाकूलसूक्ष्मगिष
सिंहनाभनक्रयायुनाभनक्रः नागनाभनक्रसर्वनाभनक्रसर्वनाभनक्र ॥ नयथा ॥

ईं आलातालासकनासलसूदिनिनक्र २ ममसयनेवावस्यसर्वसुखानाम्भः सर्वरया
दवेत्यः स्वाहा ॥ ईं नमावलेनयायः ईं नमारुगवस्य आर्यमाविचिदवगार्यः नस्यदद
यवस्यवर्हः ॥ ५७ ॥ नयथा ॥ ईं वलीलिवलरुमुखिसर्वदूरयदका नांवक्रसूक्ष्मयधर
स्वाहा ॥ ईं भाविचियस्वाहा ॥ ईं वनलेवलीलिवदविश्वनालिववाहमुखिसर्वदूरना
चिरदूरः ॥ ५८ ॥ स्वाहा ॥ ॥ ॥ ईं दमवावक्रगवाः नामनासावायूषानानेदोहा ॥ ॥

यः न च सर्वविनि यर्षस्वदवः न नृणां स न ग नूतमस्तान ग किना ग धर्वश्च लो र ग व गो र ग वि
मत्यन च विनि ॥ ॥ आर्यमात्रि विना म धन नि समाप ॥ ॥ य धर्मा वा ॥ ॥
उ न मी र ग व ल्यः आर्यगु र मा ह वा र्ये ॥ ॥ उ व मा या शु न मा क सि स म य ल ग व न क व
स्यो म हान ग र्था म न क द व ना ग य द्र ग ध र्वा रू न ग नूत कि न ल म हान ग म षः ना दि त
स्य मः जू ग नः वू र्ध व ह स्य नि शु क्क ग नि ध नः ना ह क दु जू र्वा विं भ नि न कू र्वा दि रि त यः